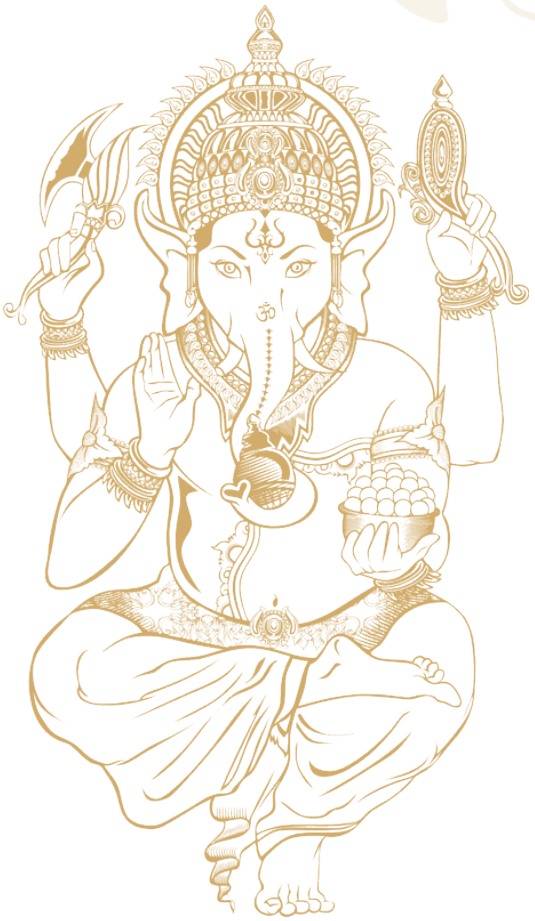

Raghav

Kaniska

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121885202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1999	जन्म तिथि	04/12/1998
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:18:00	जन्म समय	22:02:00 घंटे
घटी 15:50:22	जन्म समय(घटी)	37:38:14 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:51	सूर्योदय	06:58:42
18:45:27	सूर्यास्त	17:23:47
23:50:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 0मा 8दि		04:19:41	वृश्चि	लग्न	कर्क	21:22:32	मंगल 1वर्ष 10मा 8दि	
शुक्र		12:37:15	सिंह	सूर्य	वृश्चि	18:28:36	गुरु	
07/09/2013		24:29:33	मीन	चंद्र	मिथु	03:07:47	13/10/2018	
07/09/2033		03:57:56	वृश्चि	मंगल	कन्या	10:11:57	13/10/2034	
शुक्र	06/01/2017	03:30:29	सिंह	बुध व	वृश्चि	11:24:36	गुरु	30/11/2020
सूर्य	06/01/2018	11:05:36	मेष व	गुरु	कुंभ	25:05:01	शनि	14/06/2023
चन्द्र	07/09/2019	27:39:29	कर्क व	शुक्र	वृश्चि	27:16:02	बुध	19/09/2025
मंगल	06/11/2020	23:19:55	मेष व	शनि व	मेष	03:29:34	केतु	25/08/2026
राहु	07/11/2023	18:56:39	कर्क व	राहु व	सिंह	01:09:08	शुक्र	25/04/2029
गुरु	08/07/2026	18:56:39	मक व	केतु व	कुंभ	01:09:08	सूर्य	12/02/2030
शनि	07/09/2029	20:05:59	मक व	हर्ष	मक	15:52:47	चन्द्र	14/06/2031
बुध	07/07/2032	08:15:03	मक व	नेप	मक	06:20:10	मंगल	20/05/2032
केतु	07/09/2033	13:55:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	14:15:03	राहु	13/10/2034

लग्न-चलित

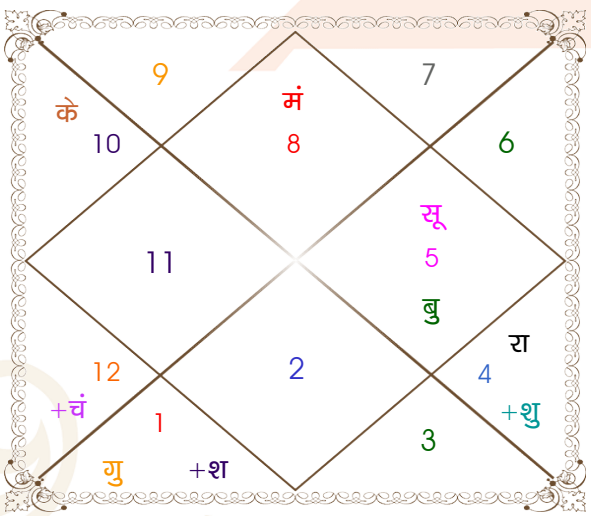

लग्न-चलित

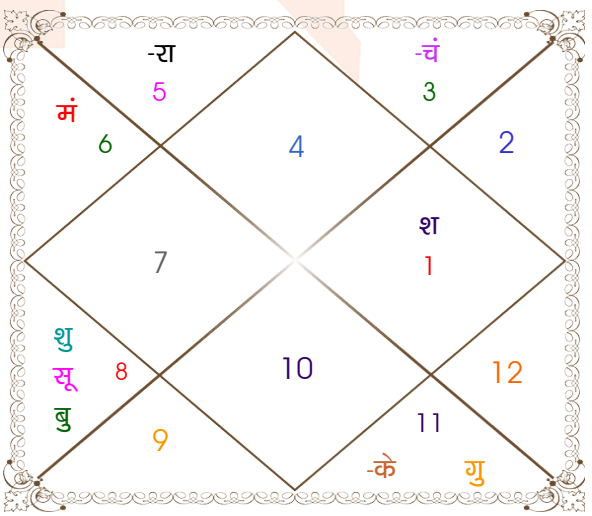

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

त्हींअ का वर्ग सिंह है तथा Kaniska का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्हींअ और Kaniska का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

त्हींअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल त्हींअ कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Kaniska मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Kaniska कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्हींअ तथा Kaniska में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।